अमर उजाला, वाराणसी
दिनांक 31.07.20

निजीकरण के विरोध में डीरेका कर्मियों ने बुलंद की आवाज

डीरेका परिसर में कर्मियों ने अंतिम दिन किया गया विरोध प्रदर्शन

वाराणसी। रेलवे व डीरेका को निगमीकरण और निजीकरण से बचाने को लेकर आयोजित सरकार जगाओ अभियान के अंतिम दिन बृहस्पतिवार को कर्मियों ने परिसर में आवाज बुलंद की। डीरेका मजदूर संघ के पदाधिकारियों व सदस्यों ने केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध दर्ज कराया।

संघ के महामंत्री कृष्ण मोहन व कार्यवाहक अध्यक्ष राधा बल्लभ और कर्मचारी परिषद सदस्य नवीन सिन्हा ने कहा कि भारतीय रेल भारत की जीवन रेखा है, भारतीय रेल द्वारा देश के गरीबों, बीमारों और मजदूरों को उनकी यात्रा में जो सहायता मिलती है वह निजी क्षेत्र में जाने पर सुविधाएं नहीं मिल पाएंगी। इसके साथ ही रेलवे स्टेशनों को बेचने का निर्णय राष्ट्र के लिए आत्मघाती होगा। प्रदर्शन में श्याम मोहन, देवता नंद, जयप्रकाश, केसी पांडेय, सुमित अग्रहरि, अश्वनी यादव, आशुतोष श्रीवास्तव, राम सिंह, रंग बहादुर, सुरेश सिन्हा, रोहित अलमादी, एसबी सिंह, शकील अहमद, अनुराग, दीपक पटेल, चंदन कुमार, शिव शंकर महतो, अक्षय दत, कैलाश चंद्र, मृत्युंजय सिंह, मणि प्रकाश आदि शामिल रहे। ब्यूरो

विभिन्न मांगों को लेकर आवाज बुलंद करते डीरेका कर्मी।

राष्ट्रीय सहारा, वाराणसी
दिनांक 31.07.20

निजीकरण से बढ़ेगी बेरोजगारी

वाराणसी (एसएनबी)। भारतीय मजदूर संघ के आह्वान पर डीएलडब्ल्यू मजदूर संघ द्वारा चलाये जा रहे 'सरकार जगाओ अभियान' का गुरुवार को समापन किया। अभियान का मुख्य मुद्दा केंद्र सरकार द्वारा सरकारी एवं सार्वजनिक क्षेत्र के प्रस्तावित निगमीकरण एवं निजीकरण के विरोध में प्रदर्शन करना रहा। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि भारत के जितने भी लाभकारी संस्थान है और जो भारत सरकार के आर्थिक ग्रोथ को मजबूती प्रदान कर रहे है उन संस्थानों को सरकार द्वारा बेचने का जो निर्णय किया गया है, जो राष्ट्रहित में नही है। इस निर्णय से राष्ट्र की बहुत हानि होने वाली है। इसके साथ ही बेरोजगारी की स्थिति जो पहले से ही खराब चल रही है उसकी और खराब होने की संभावना है। भारतीय रेल भारत की जीवन रेखा है, भारतीय रेल द्वारा देश के गरीबों, बीमारों और मजदूरों को उनकी यात्रा में जो सहायता मिलती है, वह निजी क्षेत्र में जाने पर सुविधाएं नही मिल पायेंगी। इसके साथ ही रेलवे स्टेशनों को बेचने का निर्णय राष्ट्र के लिए आत्मघाती होगा। विरोध प्रदर्शन में डीएलडब्ल्यू मजदूर संघ के महामंत्री कृष्ण मोहन, कार्यवाहक अध्यक्ष राधा बल्लभ, सहायक महामंत्री नवीन सिन्हा, श्याम मोहन, देवतानंद, जयप्रकाश, केसी पांडेय, सुमित अग्रहरि, अश्वनी यादव, आशुतोष श्रीवास्तव, राम सिंह, रंग बहादुर, सुरेश सिन्हा, रोहित अलमादी, एसबी सिंह, शकील अहमद, अनुराग, दीपक पटेल, चंदन कुमार, शिव शंकर महतो, क्षअय दत्त, कैलाश चंद्र, मृत्युंजय सिंह, मणि प्रकाश आदि शामिल रहे।

मजदूर संघ का चलाया गया 'सरकार जगाओ अभियान' संपन्न

राष्ट्रीय सहारा, वाराणसी
दिनांक 31.07.20

डीरेका संस्थान में निबंध प्रतियोगिता

वाराणसी। डीरेका संस्थान द्वारा आनलाइन निबंध प्रतियोगिता का आयोजित की गयी। दो वर्गो में आयोजित निबंध का विषय कनिष्ठ वर्ग में कोरोना संक्रमण, बचाव एवं सावधानियां तथा वरिष्ठ वर्ग में कोरोना संक्रमण रोजगार एवं अर्थव्यवस्था विषय रहा। कार्यक्रम के संयोजक संस्थान के सचिव आलोक कुमार सिंह तथा निर्णायका करूणा सिंह। प्रतियोगिता के कनिष्ठ वर्ग प्रथम पावन श्रीवास्तव, द्वितीय निरमन कौर तथा तृतीय शिवम राज पांडे रहे। जबकि वरिष्ठ वर्ग में प्रथम देवादित्य मुखर्जी, द्वितीय देवांश मिश्रा तथा तृतीय अनुश्री रही।